Sixteenth Loksabha

an>

Title: Shri Prem Singh Chandumajra made a submission regarding Martyrdom day of two sons of Guru Govind Singh.

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) : मैडम, आज का दिन गुरू गोबिन्द सिंह जी के छोटे सुपुत्रों की शहादत का दिन है। ...(व्यवधान) गुरू गोबिन्द सिंह जी के सुपुत्रों को सरहिंद में जिन्दा ही दीवारों में चुनवा दिया गया था। ...(व्यवधान) खड़गे साहब, प्लीज आप एक मिनट मेरी बात सुन लीजिए. ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज आप एक मिनट सुन लीजिए। यह दो बच्चों की शहादत की बात बता रहे हैं।

...(व्यवधान)

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा: मैडम, गुरू गोबिन्द सिंह जी के छोटे सुपुत्रों को आज के दिन सरहिंद में जिन्दा ही दीवारों में चुनवा दिया गया था। ...(व्यवधान) धर्म के लिए इस देश की ह्यूमेनिटी, प्राइड और मनुयता के लिए बहुत बड़ी शहादत हुई। ...(व्यवधान) आज उनके लिए पंजाब में 12 बजे से लेकर शोक व्यक्त किया जाता है। ...(व्यवधान) मैं हाउस में एक प्रस्ताव रखना चाहता हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इसमें हाउस भी आपके साथ है।

...(व्यवधान)

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा: मैडम, कंडोलैंस प्रस्ताव यह है :–

> "On this auspicious Shaheedi Diwas, the House pays tributes to the holy souls, namely, Baba Zorawar Singh and Baba Fateh Singh, two younger sons of Guru Gobind Singhji, and Mata Gujariji, who sacrificed their beloved lives for the protection of religion, honour, pride and dignity of the humanity and the nation. "

HON. SPEAKER: Hon. Members, please.

... (*Interruptions*)

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा: मैडम, इस प्रस्ताव को पास किया जाये। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री शरद त्रिपाठी, कुंवर पुपेन्द्र सिंह चन्देल, श्री सुमेधानन्द सरस्वती, श्री आलोक संजर, श्री सुधीर गुप्ता, श्री रोड़मल नागर, डॉ. संजय जायसवाल, श्री सी.पी. जोशी, श्री अर्जुन लाल मीणा, श्री ओम बिरला, श्री हरीश मीना, श्री गणेश सिंह, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री शिवकुमार उदासि, श्री निशिकांत दुबे, श्री देवजी एम. पटेल और डॉ. किरिट पी. सोलंकी को श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा द्वारा उठाए गए विाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: श्री अरविंद सावंत जी, आप बोलिए।

...(व्यवधान)

SHRI ARVIND SAWANT (MUMBAI SOUTH): Madam, I associate with this issue. … (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: सभी लोग इससे एसोसिएट कर रहे हैं। All of us are associating.

श्री अरविंद सावंत: मैडम, उनका एक वाक्य था। ...(व्यवधान) I associate with this issue....(व्यवधान)

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनंतकुमार): मैडम, माननीय सांसद श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा जी ने गुरू गोबिन्द सिंह जी के दो सपूतों के बलिदान के बारे में, उनको श्रद्धांजलि अर्पित करने के बारे में जो प्रस्ताव सबके सामने रखा है, यह पूरा सदन, पूरा देश और हम सभी उसके साथ सम्बद्ध करते हैं।

श्री अरविंद सावंत: माननीय अध्यक्ष महोदया, इन चार सपूतों के बारे में उन्होंने एक वाक्य कहा था:

‘ इन सिक्खन के लिए वार दिए सुत चार, चार मरे तो क्या हुआ, जीवित रहे हजार।’

इस तरह से उन्होंने अपनी त्याग की भावना प्रकट की थी, इसके लिए मैं उनकी वंदना करता हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: खड़गे जी, बोलिए।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा): मैडम, चन्दूमाजरा जी ने शहजादों के लिए जो कहा है, हम उससे एसोसिएट करते हैं। उनकी जो भावना है, वही भावना हमारी है।...(व्यवधान) देश के लिए जिन्होंने कुर्बानी दी है, हम उनके साथ हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सभी ने इसके साथ एसोसिएट किया है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: श्री अरविंद सावंत जी, आप बोलिए। क्या हुआ?

...(व्यवधान)

12.10 hrs